>

Title: Need to ensure free of cost treatment to the poor by the private hospitals in the country.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। हम जीरो ऑवर के लिए पिछले चार घंटे से यहां बैठे हैं।

मैं गरीबों की स्वास्थ्य सेवा ठीक से उपलब्ध न हो पाने की पीड़ा को दबा नहीं पा रहा हूं। खासकर निजी अस्पतालों में गरीबों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देश में कई ऐसे नामचीन अस्पताल, निजी अस्पताल हैं, जिन्हें सरकार ने सस्ती दरों पर जमीन आबंटित की थी, जिनकी शर्त थी कि दस प्रतिशत बैड और 25 प्रतिशत ओपीडी सेवाएं गरीबों को मुफ्त में मुहैया करायेंगे। लेकिन बार-बार शिकायतें आने क बावजूद भी इस मामले में सरकार ने ही नहीं, बल्कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने भी दखल दी और गरीबों का रिजर्वेशन बरकरार रखने का फैसला सुनाया। बावजूद इसके प्राइवेट अस्पताल इससे कन्नी काटते हैं। एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के ही 19 बड़े अस्पताल गरीबों को इलाज मुहैया कराने में फेल रहे। इनमें एस्कार्ट्स, सर गंगाराम, जस्सा राम, खोसला मेडिकल इंस्टीट्यूट, रॉकलेण्ड, माता चमन देवी, भगवान महावीर, जी.एम. मोदी, मैक्स बालाजी, विमहांस, एम.के. डब्ल्यू हास्पीटल आदि हैं। जो गरीबों को ठीक से इलाज उपलब्ध नहीं करा रहे हैं।

महोदय, मैं सरकार से गरीबों के हित में मांग करना चाहता हूँ कि इस प्रकार के निजी अस्पतालों पर लगाम कसी जाए तथा इन्हें गरीबों का इलाज मुफ्त में करने के निर्देश दिए जाएं।